an>

Title: Regarding drinking water crisis in Agra.

डॉ. रामशंकर कठेरिया (आगरा) : सभापति महोदय, मैं आगरा लोक सभा क्षेत्र से आता हूँ। आगरा शहर की आबादी 25 लाख है। वहां के पानी में टी.डी.एस. का स्तर पांच हज़ार से ले कर दस हज़ार तक है। वहां खारा पानी है तथा पीने के पानी का कोई साधन नहीं है। यमुना नदी आगरा के किनारे बहती है लेकिन पूरे साल में 11 महीने यमुना नदी पूरी तरह सूखी रहती है। पानी की भयंकर समस्या के कारण वहां के लोग वही खारा पानी पीने को मज़बूर हैं। 20 प्रतिशत लोग तो पानी खरीद लेते हैं, लेकिन 80 प्रतिशत लोग खरीद नहीं पाते हैं। जो गरीब लोग हैं, वे बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यमुना नदी पूरी तरह सूखी रहती है। यमुना के किनारे ताजमहल की नींव में जो लकड़ी है, जिसके कुएं के ऊपर ताज़महल बना है, पानी के आभाव के कारण, कुएं के नीचे जो लकड़ी है, वह भी सूख रही है और इस कारण ताजमहल में दरार आ रही है और उससे ताजमहल को खतरा है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि यमुना नदी को साबरमती नदी की तर्ज पर विकसित किया जाए। यमुना नदी पर एक बैराज बनाया जाए, जिसके कारण ताजमहल की सुरक्षा भी हो सकेगी और ताजनगरी की जनता को भी पानी मिल सकेगा। इसी के साथ साथ ताजमहल और लालकिला के बीच में यमुना नदी के किनारे 21 लाख वर्गफुट जो जमीन पड़ी है, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि उसको हरित पट्टिका घोषित किय जाए। उसको विकसित करने के लिए भारत सरकार कदम उठाए जिससे वहां पर पर्यटकों की संख्या बढ़ सकें।